सरकार ने पीएसएस के तहत खरीद को मंजूरी दी

चर्चा में क्यों?

सरकार ने **2025-26 ग्रीष्मकालीन फसल सीज़न** के लिये **मूल्य समर्थन योजना (PSS)** के तहत **हरियाणा**, **उत्तर प्रदेश** और **गुजरात** में **मूँग** तथा **उत्तर प्रदेश** में **मूँगफली** की **खरीद** को मंजूरी दे दी है।

मुख्य बिंदु

- **दालों की खरीद:**
  - **घरेलू दलहन उत्पादन** को बढ़ावा देने और **आयात निर्भरता** को कम करने के लिये, सरकार ने **खरीद वर्ष 2024-25** के लिये **मूल्य समर्थन योजना (PSS)** के तहत **राज्य उत्पादन के 100%** तक **तुअर (अरहर)**, **उड़द** तथा **मसूर** की खरीद की अनुमति दी है।
  - **केंद्रीय बजट 2025** में, सरकार ने **PSS पहल** को **2028-29** तक **चार और वर्षों** के लिये बढ़ा दिया है तथा **केंद्रीय नोडल एजेंसियाँ** – **राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (NAFED)** और **राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि (NCCF)** को **पूर्ण राज्य उत्पादन स्तर** तक **दालों की खरीद** हेतु अधिकृत किया गया है।
- **PM-AASHA:**
  - **प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (PM-AASHA)**, जिसे वर्ष **2018** में शुरू किया गया था, को **15वें वित्त आयोग चक्र** के दौरान **2025-26** तक **जारी रखने** की मंजूरी दी गई है।
  - **सितंबर 2024** में, सरकार ने **मूल्य समर्थन योजना (PSS)**, **मूल्य न्यूनता भुगतान योजना (PDPS)** और **बाज़ार हस्तक्षेप योजना (MIS)** को इसके **घटक** के रूप में शामिल करते हुए **PM-AASHA की एकीकृत योजना** को **जारी रखने** को स्वीकृति दी।
  - इस योजना का उद्देश्य **किसानों की उपज के लिये सुनिश्चित और उचित मूल्य** सुनिश्चित करना, **उनकी आय की रक्षा** करना तथा उन्हें **बाज़ार की अस्थिरता** से बचाना है।
  - **PSS** तब लागू की जाती है जब **अधिसूचित दलहनों**, **तिलहनों** या **खोपरा** का **बाज़ार मूल्य**, **अधिकतम फसल अवधि** के दौरान **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** से नीचे चला जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि **किसानों को लाभकारी मूल्य** प्राप्त हो।

नोट:

- सरकार, किसानों को **कीमतों में तेज़ गिरावट** के दौरान **संकटपूर्ण बिक्री** से बचाने हेतु **बाज़ार हस्तक्षेप योजना (MIS)** लागू करती है, विशेष रूप से **फसल कटाई के समय जल्दी खराब होने वाले कृषि एवं बागवानी उत्पादों** के लिये।
- **मूल्य न्यूनता भुगतान योजना (PDPS)** एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अंतर्गत **किसानों को मुआवज़ा** दिया जाता है, जब उनकी उपज का **बाज़ार मूल्य MSP से नीचे** चला जाता है।
- **भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (NAFED):**
  - **नैफेड**, **बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002** के तहत पंजीकृत है।
  - इसकी स्थापना **1958** में **किसानों को लाभ पहुँचाने** हेतु **कृषि उपज के सहकारी विपणन** को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/government-approves-procurement-under-pss